प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (मार्च 2024-25)

CLASS : X^{th}(Secondary) **Code NO.001**

Series : Sec/Annual -2025

रोल न. | | | | | | | | | | |

SAT - A

हिन्दी

(Academic / Open)

(Only for Fresh /Re-appear / Improvement / Additional Candidates)

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 6 तथा 14 प्रश्न हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नं. को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना / पन्ने न छोडें।
- उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। अनुक्रमांक के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।

सामान्य निर्देश:

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं।
(iii) प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ आवश्यकतानुसार यथोचित निर्देश दिए गए हैं।
(iv) प्रश्न के उपभागों को यथासंभव क्रमिक और एक स्थान पर लिखने का प्रयास किया जाए।
(v) शुद्ध, सटीक और तर्कसंगत उत्तरों को उचित अधिमान दिया जाएगा। वर्तनीगत अशुद्धियों तथा विषयांतर की स्थिति में कम अथवा शून्य अंक देकर दंडित किया जा सकता है।

खंड - क

प्रश्न 1 व्याकरण पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी उत्तरपुस्तिका मे लिखिए। **1x7=7अंक**

(क) राजपुरूष में समास का भेद बताइए

i) अवययी समास
ii) द्विगु समास
iii) तत्पुरुष समास
iv) कर्मधारय समास

(ख) विद्यालय में (सन्धि का भेद बताइए)

i) वृद्धि संधि
ii) दीर्घ संधि
iii) यण संधि
iv) अयादि संधि

(ग) पर्यायवाची शब्द बताइए: रात्रि

i) रात
ii) अवसान
iii) दिवस
iv) भोर

(घ) विलोम शब्द छांटिये: कोमल

i) मृदुल
ii) कठोर
iii) कड़वा
iv) पुराना

(ङ) उपसर्ग बताइए: अत्यधिक

i) अती
ii) अति
iii) धिक
iv) इक

(च) प्रत्यय बताइए: सामाजिक

i) समाज
ii) सामाज
iii) इक
iv) ईक

(छ) मुहावरे का अर्थ बताइए : कलम तोड़ना

i) बहुत सुंदर लिखना
ii) साफ दिखाई देना
iii) पैन टूट जाना
iv) मुसीबत आना

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के यथानिर्दिष्ट उत्तर दीजिए। **2*4=8 अंक**

(क) उत्प्रेक्षाअलंकार की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। **2 अंक**

(ख) दोहा छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **2 अंक**

(ग) विकारी शब्द किसे कहते हैं उदाहरण सहित लिखिए। **2 अंक**

(घ) शब्द व पद में अंतर बताइए। **2 अंक**

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : **5 अंक**

क) विज्ञान वरदान या अभिशाप

ख) चन्द्रयान 3 : सफल परीक्षण

ग) राष्ट्रभाषा हिन्दी

घ) व्यायाम का महत्व

ङ) स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

प्रश्न 4. जुर्माना माफ़ी हेतु मुख्याध्यापक को पत्र लिखें। **5 अंक**

अथवा

जन्मदिन की शुभकामना के लिए छोटे भाई को पत्र लिखें।

खंड - ख

प्रश्न 5 क्षितिज (काव्य खंड) के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। **1x 6=6 अंक**

(क) सूरदास के आराध्य देव कौन हैं ?

i) राम

ii) श्री कृष्ण

iii) शिव

iv) ब्रह्मा

(ख) 'राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' काव्यांश रामचरितमानस के कौन से कांड से लिया गया है ?

i) बालकांड

ii) अयोध्याकांड

iii) सुंदरकांड

iv) उत्तरकांड

(ग) कवि ने अपनी आत्मकथा को कैसा बताया ?

i) महान

ii) भोली

iii) चंचल

iv) गौरवशाली

(घ) उत्साह कविता में निदाध का क्या अर्थ है ?

i) सरदी

ii) गरमी

iii) वर्षा

iv) सावन

(ङ) सरगम का क्या अर्थ है ?

i) स्वर बोध

ii) ज्ञान

iii) सरवर

iv) सरोकार

(च) किसके प्राणों का स्पर्श पाकर कठिन पाषाण पिंघल गया होगा ?

i) कवि के

ii) माता के

iii) बच्चे के

iv) पिता के

प्रश्न 6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **1x 5=5 अंक**

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग संदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही ॥

i. प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

ii. इस पद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए।

iii. गोपियों का धैर्य क्यों समाप्त हो रहा था ?

iv. अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

v. "गुहारि" का क्या अर्थ है ?

प्रश्न 7 निम्नलिखित काव्यांश का भाव व काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
विद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु॥

प्रश्न 8. (क) उत्साह कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **3+3= 6 अंक**

(ख) उद्धव द्वारा दिए गए संदेश ने गोपियों की विरह अग्नि में घी का काम कैसे किया ?

खण्ड-ग

प्रश्न 9 क्षितिज (गद्य -खंड) के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित उत्तर पुस्तिका में लिखिए।
1x 6= अंक

(क) हालदार साहब किसकी देशभक्ति के सामने नतमस्तक थे ?

i) पानवाले

ii) कैप्टन

iii) ड्राइवर

iv) मोतीलाल

(ख) बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ कब तक चलती थीं?

i) कार्तिक
ii) आषाढ़
iii) अश्विन
iv) फागुन

(ग) बाल गोबिन भगत कैसे कद के व्यक्ति थे?

i) लंबे
ii) मझौले
iii) सामान्य
iv) इनमें से कोई नहीं

(घ) मन्नू भंडारी का परिवार अजमेर के कौन से मोहल्ले में रहता था ?

i) मायापुरी
ii) प्रेम नगर
iii) ब्रह्मपुरी
iv) भानपुरा

(ङ) नरकट नमक घास डुमरा गांव में किस नदी के पास पाई जाती है?

i) गंगा
ii) नर्मदा
iii) सोन
iv) यमुना

(च) संसार में मजदूरों को सुखी देखने का स्वप्न किसने देखा?

i) लेनिन
ii) मार्क्स
iii) सिद्धार्थ
iv) गांधी

प्रश्न 10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उतर दीजिए। 1x 5=5 अंक

ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हें मंझले दर्जे में सफर करता देखे ।... अकेले सफर का बक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ?

(क) पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ख) लेखक की पुरानी आदत क्या और क्यों है?
(ग) लेखक ने नवाब के बारे में क्या सोचा?
(घ) लेखक नवाबों के विषय में किस धारणा से ग्रस्त है?
(ङ) नवाब साहब खीरे क्यों नहीं खा रहे थे?

प्रश्न 11 यशपाल अथवा मन्नू भंडारी का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं, साहित्यक विशेषताओं एवं भाषा शैली पर प्रकाश डालिए। **5 अंक**

प्रश्न 12 (क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर पानवाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए। **2+2=4 अंक**

(ख) पाठ में आए किन प्रसंगों के आधार पर आप कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खाँ वास्तविक अर्थों में एक सच्चे इंसान थे?

खंड - घ

प्रश्न 13 कृतिका भाग-2 के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **3+2+2=7 अंक**

(क) माता का आंचल पाठ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **3 अंक**

अथवा

"साना साना हाथ जोड़ि" यात्रा वृतांत में लेखिका ने हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्र खींचा है उन्हें अपने शब्दों में लिखिए। **3 अंक**

(ख) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था? **2 अंक**

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' शीर्षक पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **2 अंक**

खण्ड- ङ

प्रश्न 14 आदर्श जीवन मूल्य माध्यम के आधार पर निम्नलिखित मेसे किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। **2x 4=8 अंक**

(क) विद्यार्थी जीवन में आप ईश्वर को प्रसन्न कर सकते हैं?

(ख) मनुष्य की श्रेष्ठता कैसे आंकी जाती है सफलता के सूत्र पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) आकाश गुप्ता को स्टील कंपनी में किस प्रकार की समस्या थी?

(घ) एकलव्य की कौन सी विशेषताएं आपको अच्छी लगी और क्यों?

(ङ) कोलकाता में प्लेग की महामारी फैलने पर निवेदिता ने सेवा कार्यों में क्या योगदान दिया?

------------------x------------------

अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय- हिंदी

कक्षा - दसवीं

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12.उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13.उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना

विषय - हिंदी

कक्षा - दसवीं

कोड - A

कक्षा : दसवीं अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड -क

प्रश्न- संख्या **उत्तर** **अंक विभाजन**

प्रश्न-1 व्याकरण एवम् रचना पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : 1*7=7

क) (iii) तत्पुरुष समास
ख) (ii) दीर्घ संधि
ग) (i) रात
घ) (ii) कठोर
ङ) (ii) अति
च) (iii) इक
छ) (i) बहुत सुंदर लिखना

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के यथानिर्दिष्ट उत्तर दीजिए। 2*4=8 अंक

क) जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाए वहां उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। जैसे: उसका सिर फट गया मानो अरुण रंग का घड़ा हो।
ख) दोहा एक अर्द्धसममात्रिक छंद है। इसके प्रथम तथा तृतीय चरण में 13-13 तथा द्वितीय एवं चतुर्थ चरण में 11 -11 मात्राएं होती हैं। द्वितीय एवं चतुर्थ चरण के अंत में गुरु लघु वर्ण आते हैं।
जैसे - तुलसी या संसार में मिलयो, सबसों धाये ।
ना जाने किस रुप में, नारायण मिल जाये ।
ग) विकारी शब्द: जिन शब्दों का रूप-परिवर्तन होता रहता है वे विकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे- कुत्ता, कुत्ते, कुत्तों, मैं मुझे, हमें अच्छा, अच्छे खाता है, खाती है, खाते हैं। इनमें संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विकारी शब्द हैं।

घ) एक से अधिक वर्णों के मिलने से बने सार्थक वर्ण-समूह जो बनता है वह शब्द कहलाता हैं। जैसे- सोहन, खीर, मीरा, खेलता। जब किसी भी प्रकार का सार्थक शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद कहलाता है।

प्रश्न- 3 किसी एक विषय पर निबंध **5 अंक**

(क) भूमिका	1
(ख) विस्तार + निर्धारित शब्द सीमा	3
(ग) उपसंहार	1

प्रश्न- 4 पत्र लेखन **5 अंक**

(क) आरंभ और अंत की औपचारिकताएं	1
(ख) विषय वस्तु	3
(ग) भाषा	1

खंड - ख (क्षितिज काव्य खंड)

प्रश्न- 5 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर **6 अंक**

(क) (ii) श्री कृष्ण
(ख) (i) बालकाण्ड
(ग) (ii) भोली
(घ) (ii) गरमी
(ङ) (i) स्वर बोध
(च) (iii) बच्चे के

प्रश्न- 6 काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर **(5)**

i. कवि - सूरदास, कविता - सूरदास के पद।
ii. प्रस्तुत पद हिंदी की पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग- 2 में संकलित एवं सूरदास के पदों से लिया गया है।
iii. गोपियों का धैर्य इसलिए खत्म हो रहा है क्योंकि श्री कृष्ण ने अपनी मर्यादाओं का पालन नहीं किया उन्होंने प्रेम का आदर करने की अपेक्षा गोपियों का मजाक उड़ाया है
iv. धीर धरहिं
v. रक्षा के लिए पुकारना।

प्रश्न- 7 काव्य-सौंदर्य- **(3)**

(i) भाव सौंदर्य 1½
(ii) शिल्प सौंदर्य 1½

भाव - लक्ष्मण ने परशुराम की शक्ति वीरता और उनके बाद बोलेपन को उजागर किया है।
शिल्प - भाषा - अवधी
छंद - दोहा
अलंकार - अनुप्रास (सूर समर शब्द में)
वीर रस, ओज गुण का प्रयोग हुआ है।

प्रश्न- 8 प्रश्नों के उत्तर **3+3= 6 अंक**

क) उत्साह कविता में कविवर निराला ने बादल को उत्साह के प्रतीक के रूप में चिन्हित किया है कवि बादल से अनुरोध करता है कि वह सारे आकाश में छा जाए और खूब वर्षा करें ताकि तपती हुई धरती को शीतलता मिल सके। वह किसी संघर्षशील कवि के समान सबके जीवन में उत्साह भर दे वह अपनी गर्जन से सोई हुई मानवता को जगा दे ।उसमें नया जोश व उत्साह भर दे जब सारी धरती पर लोग व्याकुल व अनमने हों तो बादल जल की धारा बनकर सबको शीतलता प्रदान करें।

ख) श्री कृष्ण ने मथुरा जाने के बाद गोपिया विरह की आग में जलती रहती थी। वे श्री कृष्ण को याद करके तड़पती रहती थी। उन्हें आशा थी कि एक ने एक दिन कृष्णा अवश्य आएंगे और उन्हें उनका खोया हुआ प्रेम पुन: मिल जाएगा वे श्री कृष्ण के आने पर अपने हृदय की पीड़ा उनको बताएंगे किंतु इस समय उद्धव कृष्ण द्वारा भेजे गए योग का संदेश लेकर गोपियों के पास आ पहुंचता है। तब गोपियों की सहनशक्ति जवाब दे जाती है उन्होंने श्री कृष्ण के द्वारा भेजे जाने वाले ऐसे योग संदेश की कभी कल्पना भी नहीं की थी। इससे उनका विश्वास टूट गया था। विरहअग्नि में जलता हुआ उनका हृदय योग के वचनों से दहक उठा था। योग के संदेश ने गोपियों की विरहअग्नि में घी का काम किया था इसलिए उन्होंने उद्धव और श्री कृष्ण को दोनों को जली -कटी सुनाई थी।

खंड - ग (क्षितिज गद्य खंड)

प्रश्न- 9 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर **(6)**

(क) (ii) कैप्टन
(ख) (iv) फागुन
(ग) (ii) मंझौला
(घ) (iii) ब्रह्मपुरी
(ङ) (iii) सोन
(च) (i) लेनिन

प्रश्न- 10 गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर **(5)**

क) पाठ - बालगोबिन भगत, लेखक - रामवृक्ष बेनीपुरी।
ख) ठाली बैठे कल्पना करते रहना।
ग) शायद इस डिब्बे में अकेले यात्रा करना चाहते होंगे। किराया बढ़ाने के लिए सेकंड क्लास का टिकट खरीदा होग।
घ) नवाब अपने आप को दूसरों से श्रेष्ठ समझते हैं और अपनी शान के बारे में बढा चढाकर बातें करते हैं।
ङ) कोई सफेद पोस्ट व्यक्ति उन्हें खरे जैसी सामान्य वस्तु खाते देख रहा है इससे उनकी तौहीन होगी।

प्रश्न-11 लेखक/लेखिका परिचय **(5)**

क) जीवन परिचय	1
ख) प्रमुख रचनाएँ	1
ग) साहित्यिक विशेषताएँ	1½
घ) भाषा -शैली	1½

प्रश्न- 12 प्रश्नों के उत्तर **2+2 =4 अंक**

(क) पानवाला काला, मोटा व खुशमिजाज व्यक्ति है। क़स्बे के चौहारे पर उसकी पान की दुकान थी। उसकी बड़ी सी तोंद है वह किसी भी बात को जाने बिना ही उस पर टिप्पणी कर देता है। उसके मुँह में पान ठुसा रहता था, जिससे उसके दाँत लाल-काले हो गए थे। वह कैप्टन जैसे देशभक्त को लंगड़ा व पागल कहने से नहीं चूकता था। वह संवेदनशील व्यक्ति भी है, कैप्टन की मृत्यु की बात कहते समय उसकी आँखों में आंसू छलक आए थे।

(ख) बिस्मिल्लाह खां सच्चे इंसान थे। वे अपनी शहनाई बजाने की कला को सदैव ईश्वर की देन मानते थे। इतने बड़े शहनाई वादक होने पर भी वे अत्यंत सरल एवं साधारण जीवन जीते थे। उन्होंने अपनी कला को कभी बाजारू नहीं बनाया ।वह हवाई जहाज की यात्रा को बहुत महंगी समझते थे ।कभी पांच सितारा होटल में नहीं ठहरे। शहनाई बजाने की फीस भी उतनी ही मांगते थे जितनी उन्हें जरूरत होती थी। वे सदा सच्चे और खरे इंसान रहे थे। जैसा उनकी शहनाई बजाना मधुर था वैसा ही उनका जीवन अत्यंत मधुर एवं सरल व सच्चा था।

खंड - घ (कृतिका भाग -2)

प्रश्न- 13 कृतिका भाग -2 के आधार पर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर **3+2+2= 7अंक**

(क) माता का आंचल पाठ में लेखक की बाल्यावस्था का अत्यंत आकर्षक रूप में चित्रण किया गया है। लेखक ने बताया है कि उसे अपने माता-पिता का भरपूर स्नेह मिला है। बचपन में कितनी निश्चित और भोलापन होता है। इसका साक्षात रूप पाठ में देखने को मिलता है। बच्चे अपने खेल में तल्लीन होकर खेलते हैं। वहां किसी प्रकार का भेदभाव घृणा जलन का भाव नहीं होता। बच्चों की दुनिया की संजीव तस्वीर अंकित करना लेखक का प्रमुख लक्ष्य रहा है। जिसमें उसे पूर्ण सफलता भी मिली है।

अथवा

लेखिका की पहाड़ी यात्रा गंतोक से यूमथांग जाने के लिए आरंभ होती है। वह अपने पूरे दल के साथ जीप में बैठकर यात्रा शुरू करती है। जैसे-जैसे जीप आगे बढ़ती हैं। उन्होंने देखा कि हिमालय का प्राकृतिक दृश्य पल-पल में बदल रहा है। अब हिमालय अपने विशाल रूप में दिखाई देने लगता है। आसमान में घटाएं फैली हुई हैं। घाटियों में दूर-दूर तक खिले हुए फूल फैले हुए हैं। लेखिका हिमालय के चमत्कारी रूप को अपनी आत्मा में समेट लेना चाहती है। वह उसे दृश्य से एकात्मक हो जाती है। वह हिमालय को "मेरे नगपति" "मेरे विशाल" कहकर सलामी देती है। हिमालय कहीं हरे रंग का कालीन ओढे नजर आता है। कहीं सफेद बर्फ की चादर ओढ़े हुए। कहीं-कहीं बादल में लुका छुपी का खेल खेलते सा लगता है। लेखिका को पर्वत क्षेत्र जादू की छाया माया एवं खेल लगता है। तो कहीं लेखिका उसे देखकर गहन विचारों में डूब जाती है उसे वह परम सत्य का अनुभव होने लगता है।

(ख) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका के मन में सम्मोहन जगा रहा था। इस सुंदरता ने उस पर ऐसा जादू-सा कर दिया था कि उसे सब कुछ ठहरा हुआ-सा और अर्थहीन-सा लग रहा था । उसके भीतर बाहर जैसे एक शून्य-सा व्याप्त हो गया था।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' अज्ञेय जी का एक प्रसिद्ध निबंध है.लेखक ने इस निबंध में बताया है कि लेखक की भीतरी विवशता ही उसे लिखने के लिए मजबूर करती है और लिखकर ही लेखक उससे मुक्त हो पाता है। प्रत्यक्ष अनुभव जब अनुभूति का रूप धारण करता है, तभी रचना पैदा होती है। अनुभव के बिना अनुभूति नहीं होती, परंतु यह आवश्यक नहीं है कि हर अनुभव अनुभूति बने । लेखक ने अपने द्वारा रचित 'हिरोशिमा' कविता की रचना का उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया है कि अनुभव जब भाव - जगत् और संवेदना का हिस्सा बनता है, तभी वह कलात्मक अनुभूति में रूपांतरित होता है।

खण्ड- ङ

प्रश्न 14 आदर्श जीवन मूल्य माध्यम के आधार पर प्रश्नों के उत्तर:

(क) परमपिता परमात्मा ने हमें सब प्राणियों से श्रेष्ठ मनुष्य बनाकर भेजा। यदि हम अच्छी पढ़ाई एवं अच्छे गुणों के साथ जीवन को अच्छा बना कर रह रहे हैं, तो भगवान भी बहुत प्रसन्न होते हैं।

(ख) मनुष्य की श्रेष्ठता के लिए कर्मों की सिद्धि में पाँच हेतु बताए गए है- अधिष्ठान, कर्ता, करण, चेष्टा और देव। इसका कारण यह है कि कर्ता के बिना क्रिया कौन करेगा, अधिष्ठान आधार के बिना के कोई भी काम कहाँ किया जाएगा, क्रिया के लिए करण (साधन) होने से ही कर्ता क्रिया करेगा। नहीं तो कर्मसिद्धि कैसे होगी?

(ग) आकाश गुप्ता को अपने पिता प्रेम प्रकाश गुप्ता द्वारा स्थापित स्टील कंपनी को चलाने में 5 लाख प्रतिमाह का अत्यधिक बिजली बिल परेशान कर रहा था।

(घ) एकलव्य में उत्साह और आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा हुआ था वह दृढ़ निश्चय था और जंगल में अकेला रहकर धन विद्या का अभ्यास करता रहा परिस्थिति के अनुसार उत्तम उत्तम मार्ग का चयन करने वाला था यही विशेषता हमें सबसे अच्छी लगी क्योंकि परिस्थिति के अनुसार उत्तम मार्ग का चयन कर हम आदर्श बनने का प्रयास करना चाहिए परिस्थितियों का रोना कभी नहीं रोना चाहिए।

(ङ) सन 1899 में कलकत्ता में प्लेग भयंकर महामारी के रूप में फैला। तब भगिनी निवेदिता ने स्वच्छता सम्बन्धी सारा काम अपने हाथ में ले लिया। उनकी प्रेरणा से अनेक युवक-युवतियाँ प्लेग पीड़ितों की सहायता के लिए घरों से बाहर आ गए। इसका एक सुपरिणाम यह निकला कि सेवा की दिव्य अनुभूति से छुआछूत की सतही भावना भी दूर हो गई।

-------------------x-------------------